ISSN: 2456–5474 RNI No.UPBIL/2016/68367 Vol.-5* Issue-7* September- 2020
Innovation The Research Concept

व्यक्तित्व प्रकार के संदर्भ में पुरूष तथा स्त्री प्रयोज्य में विषाद स्तर

Depression Level Among Male & Female Subjects In Terms Of Personality Types

Paper Submission: 15/09/2020, Date of Acceptance: 26/09/2020, Date of Publication: 27/09/2020

लक्ष्मी
क्लीनिकल साइकोलोजिस्ट,
हेल्थ विभाग,
जे. एस. हिंदू डिग्री कॉलेज
अमरोहा, उत्तर प्रदेश, भारत

सारांश

वर्तमान अध्ययन पुरूष तथा स्त्री प्रयोज्यों में विषाद् स्तर का अध्ययन व्यक्तित्व प्रकार के संदर्भ में किया गया। अध्ययन के लिए 150 पुरूष तथा 150 स्त्री की संख्या पर कपूर (1987) तथा सिन्हा (1968) द्वारा अनुकूलित विषाद मापनी एवं आइजेन्क व्यक्तित्व मापनी का प्रयोग किया गया। प्राप्तांकों का विश्लेषण टी–परीक्षण द्वारा करने पर प्राप्त हुआ कि महिलाओं में विषाद् की मात्रा अधिक होती है तथा न्यूरोटि्सिज्म (पुरूष तथा स्त्री दोनों में तथा अन्तर्मुखता तथा बार्हिमुखता केवल पुरूष प्रयोज्यों के संदर्भ में) विषाद् की मात्रा को सार्थक रूप से प्रभावित करते हैं।

In the present study, the level of depression in male and female applications was studied in terms of personality type. For study, the number of 150 males and 150 females was used by Kapoor (1987) and Sinha (1968) to measure melancholia and Eigenk personality scales. Analysis of scores was obtained by t-test that the amount of depression in women is high and neuroticism (in both men and women and introversion and biraciality only in terms of male purposes) significantly affects the amount of depression.

मुख्य शब्द : अवसाद, उपलब्धि प्रेरणा।
Depression, Achievement Motivation.

प्रस्तावना

व्यक्तित्व भिन्नता एवं यौन भिन्नता दो ऐसे महत्वपूर्ण चर हैं जो व्यक्ति के व्यवहार, सोच, मनोवृत्ति और अंततः उसके मनोवैज्ञानिक स्थिति को प्रभावित करते हैं।

साहित्यावलोकन

संवेग, भाव, चिंता, प्रतिबल इत्यादि संवेगात्मक आधारों पर पुरूष तथा स्त्री दोनों एक दूसरे से स्पष्टतः भिन्न होते हैं। (कार्सन तथा अन्य 1998; गोव एण्ड हर्ण, 1974; क्रेमर, 1979; चेसलर 1992)। इन्हीं बातों को अध्ययन में रखते हुए वर्तमान अध्ययन में पुरूष तथा स्त्री प्रयोज्यों का अध्ययन व्यक्तित्व भिन्नता के संदर्भ में किया गया।

व्यक्तित्व

व्यक्तित्व व्यक्ति के विभिन्न शारीरिक एवं मानसिक गुणों का एक जटिल एवं गतिशील संगठन है। व्यक्तित्व का विकास वातावरण के प्रति व्यक्ति द्वारा अपनाए गए समायोजन की विधियों और व्यवहार के द्वारा होता है। व्यक्तित्व के अन्दर किन गुणों की प्रधानता होती है। इस बात पर निर्भर करता है कि व्यक्ति अपने वातावरण के साथ कैसा अभियोजन स्थापित करेगा। यही कारण है कि किन्हीं दो व्यक्तियों का, यहाँ तक कि जुड़वा बालकों का, व्यवहार भी समान परिस्थितियों में भी भिन्न होता है। व्यवहार के अलावा व्यक्ति की मनोवैज्ञानिक विशेषताएँ तथा मानसिक दशाएँ भी बहुत कुछ उसके व्यक्तित्व शील/गुणों द्वारा संचालित एवं नियंत्रित होती है। अतः यह कहना गलत नहीं होगा कि व्यक्ति में विषाद की मात्रा बहुत हद तक उसके व्यक्तित्व प्रकार से प्रभावित होती है। मनोवैज्ञानिकों ने व्यक्तित्व को अलग–अलग प्रकारों में विभाजित किया है। वर्तमान अध्ययन में व्यक्तित्व के दो प्रकारों न्यूरेटिसिज्म तथा अन्तर्मुखता बहिर्मुखता को विषाद के संदर्भ में अध्ययन के लिए लिया गया है, जिनकी अलग–अलग व्याख्या आपेक्षित है।

कई पूर्ववर्ती अध्ययनों द्वारा व्यक्तित्व शीलगुणों तथा व्यक्ति में विषाद की मात्रा के बीच सार्थक सह–सम्बन्ध देखा गया है– (कार्सन तथा अन्य, 1998; सेलीगमैन तथा अन्य, 1990)।

अध्ययन के उद्देश्य

उपर्युक्त साहित्य का अवलोकन करने से स्पष्ट होता है कि व्यक्ति में यौन भिन्नता तथा व्यक्तित्व प्रकार दोनों ही चरों का सीधा सम्बन्ध व्यक्ति के अन्दर विषाद की मात्रा के साथ है। वर्तमान अध्ययन में अध्ययन के दो उद्देश्य निश्चित किए गए–

1. पुरूष तथा स्त्री प्रयोज्यों में विषाद की मात्रा का पता लगाना तथा
2. उच्च तथा निम्न विषाद वाले प्रयोज्यों के व्यक्तित्व प्रकार का अध्ययन करना।

उद्देश्य के अनुसार निम्नलिखित परिकल्पनाओं का निर्माण किया गया–

1. पुरूष तथा स्त्री प्रयोज्यों के बीच विषाद की मात्रा को लेकर सार्थक भिन्नता होगी।
2. उच्च तथा निम्न विषाद् वाले प्रयोज्यों के बीच न्यूरोटिसिज्म के आधार पर सार्थक भिन्नता होगी।
3. उच्च तथा निम्न विषाद समूह बहिर्मुखता प्राप्ताकों के आधार पर सार्थक रूप से भिन्न होगे।

अध्ययन विधि

वर्तमान अध्ययन में प्रतिदर्श के रूप में जिला जे0पी0 नगर उत्तर प्रदेश से बी0ए0 पास परन्तु बेरोजगार 150 पुरूष तथा 150 स्त्री तथा कुल 300 छात्र–छात्राओं को शामिल किया गया। प्रतिदर्श चयन में इस बात का विशेष अध्ययन रखा गया कि पुरूष तथा स्त्री प्रयोज्य उम्र, शिक्षा, निवास, सामाजिक–आर्थिक स्तर जैसे कारकों के दृष्टिकोण से सादृश्य हो।

प्रयोज्यों में विषाद का स्तर तथा उनके व्यक्तित्व के अध्ययन के लिए क्रमशः कपूर (1987) द्वारा हिन्दी भाषा में अनुकूलित विषाद मापनी तथा सिन्हा (1968) द्वारा हिन्दी में प्रारूपित आईजेंक व्यक्तित्व आविष्कारिका का प्रयोग किया गया।

परिणाम एवं व्याख्या

प्रथम परिकल्पना कि ''पुरूष तथा स्त्री प्रयोज्यों के बीच विषाद की मात्रा को लेकर सार्थक भिन्नता होगी'' की जाँच के लिए विषाद मापनी पर प्राप्त प्राप्तांकों के आधार पर दोनों समूहों का तुलनात्मक अध्ययन टी–परीक्षण द्वारा किया गया तथा प्राप्त परिणामों को सारणी–1 में दर्शाया गया।

सारणी–1

पुरूष तथा स्त्री प्रयोज्यों के बीच विषाद प्राप्तांकों के दृष्टिकोण से तुलना

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी–मूल्य
पुरूष	150	27.81	8.12	5.47*
स्त्री	150	33.67	10.19	

* .01 स्तर पर सार्थक

सारणी–1 में प्रस्तुत परिणामों के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि दोनों समूहों के बीच विषाद मापनी पर प्राप्त प्राप्ताकों के बीच सार्थक भिन्नता है (टी = 5. 47, डी0एफ0 = 298, पी < .01) क्योंकि पुरूष तथा स्त्री प्रयोज्यों के बीच विषाद की मात्रा को लेकर सार्थक भिन्नता प्राप्त की गयी है। अतः विषाद को प्रभावित करने वाले व्यक्तित्व चरों का अध्ययन दोनों समूहों– पुरूष तथा स्त्री के लिए अलग–अलग किया गया है। इस प्रकार विषाद प्राप्तांकों के दृष्टिकोण से कुल चार समूहों उच्च विषाद समूह पुरूष (संख्या =75) तथा निम्न विषाद समूह स्त्री (संख्या = 75), का गठन किया गया। दोनों यौन समूहों के दोनों विषाद समूहों का अलग–अलग तुलनात्मक अध्ययन व्यक्तित्व के न्यूरोटिसिज्म तथा अन्तर्मुखता बहिर्मुखता के प्रकारों के संदर्भ में किया गया तथा प्राप्त परिणमों को सारणी–2 एवं सारणी–3 में प्रदर्शित किया गया।

सारणी–2

न्यूरोटिसिज्म प्राप्तांकों के संदर्भ में उच्च तथा निम्न विषाद समूहों की तुलना

	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी–मूल्य
पुरूष	उच्च	75	14.36	7.09	2.23*
	निम्न	75	11.88	6.55	
स्त्री	उच्च	75	13.70	6.16	3.13**
	निम्न	75	10.07	8.02	

* .05 स्तर पर सार्थक, ** .01 स्तर पर सार्थक

सारणी–2 में प्रदर्शित किए गए परिणामों के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि पुरूष प्रयोज्यों के उच्च विषाद समूह (मध्यमान = 14.36) ने निम्न विषाद् समूह (मध्यमान = 11.88) की तुलना में व्यक्तित्व के न्यूरोटिसिज्म आयाम पर उच्च प्राप्तांक प्राप्त किया है। यह इस बात का सूचक है कि जिन प्रयोज्यों में न्यूरोटिसिज्म की मात्रा ज्यादा होती है, उनमें विषाद की मात्रा भी तुलनात्मक रूप से ज्यादा होती है। इस परिणाम को विश्वसनीय माना जा सकता है क्योंकि दोनों मध्यमानों की तुलना के क्रम में प्राप्त टी–मूल्य ($t = 2.23$) .05 स्तर पर सार्थक हैं। समान परिणाम स्त्री प्रयोज्यों के लिए भी प्राप्त किए गए है। स्त्री प्रयोज्यों के लिए प्राप्त टी–मूल्य भी सार्थक प्राप्त किया गया है (टी = 3.13 डी0 एफ0 = 1 / 148 पी0 = .01 सार्थक है)।

सारणी–3

बहिर्मुखता प्राप्तांकों के संदर्भ में उच्च तथा निम्न विषाद समूहों की तुलना

	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी–मूल्य
पुरूष	उच्च	75	9.44	5.72	2.45**
	निम्न	75	11.85	6.36	
स्त्री	उच्च	75	10.81	6.91	NS
	निम्न	75	12.13	7.22	

** .05 स्तर पर सार्थक

सारणी–3 में दशाए गए विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि पुरूष प्रयोज्यों के निम्न विषाद समुह (मध्यमान = 11.85) ने व्यक्तित्व के बहिर्मुखता आयाम पर उच्च विषाद समूह (मध्यमान = 9.44) की तुलना मे उच्च प्राप्तांक प्राप्त किया है। इसका तात्पर्य यह हुआ कि बहिर्मुखी व्यक्ति अन्तर्मुखी व्यक्तियों की अपेक्षा विषाद का कम अनुभव करते हैं। उस परिणाम को सांख्यकीय रूप से सार्थक माना जा सकता है क्योंकि उच्च तथा निम्न विषाद समूहों का बहिर्मुखता प्राप्ताकों के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन किया गया तो टी–मूल्य 2.45 प्राप्त हुआ जो कि सार्थकता के 05 स्तर पर सार्थक है। लगभग इसी प्रकार के प्राप्तांक स्त्री प्रयोज्यों के लिए भी प्राप्त किए गए है। यहाँ पर भी निम्न विषाद समूह ने उच्च विषाद समूह की अपेक्षा बहिर्मुखता मापनी पर उच्च प्राप्तांक प्राप्त किया है। फिर भी स्त्री प्रयोज्यों के उच्च तथा निम्न विषाद समूहों के बीच इस अन्तर को केवल संयोगवश ही माना जाएगा क्योंकि दोनों के बीच का सांख्यकीय मूल्य सार्थक प्राप्त नही हुआ है, (टी = 1.14 डी0एफ = 148, पी > .05)। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि व्यक्तित्व का बहिर्मुखता आयाम उच्च तथा निम्न विषाद समूहों के बीच सार्थक अंतर करने में पुरूष प्रयोज्यों के संदर्भ में तो सक्षम है लेकिन स्त्री प्रयोज्यों के संदर्भ में सक्षम नही हैं। अतः वर्तमान अध्ययन के लिए निर्मित परिकल्पना आंशिक रूप से सही सिद्ध होती है।

निष्कर्ष

वर्तमान अध्ययन परिणामों के विश्लेषण के पश्चात् सामान्य रूप से निम्नलिखित निष्कर्ष निकाले जा सकते है–

1. पुरूषों की अपेक्षा महिलाओं में विषाद की मात्रा अधिक होती है।
2. व्यक्तित्व का न्यूरोटिसिज्म आयाम पुरूष तथा स्त्री दोनों ही प्रयोज्यों के संदर्भ में विषाद् के उच्च तथा निम्न विषाद् समूहों के बीच सार्थक अन्तर आने में समय हैं।
3. व्यक्ति का अन्तर्मुखता–बर्हिमुखता आयाम में केवल पुरूष प्रयोज्यों के संदर्भ में उच्च तथा निम्न विषाद् समूहों के बीच सार्थक अन्तर करने में सक्षम है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. *Carson, R.C., Butcher, J.N. & Mineka, S. (1998). Abnormal Psychology and Modern Life. New York : Longman.*
2. *Chesler, P. (1992). Women and Madness. Garden City. New York : Doubleday.*
3. *Cramer, P. (1979). Defence Mechanism in Adolescence. Development Psychology, 15, 476-477.*
4. *Gore, W.R. & Herb. T.R. (1974). Stress and Mental Illness among the Young : A Comparison of the Sexes. Social Forces, 53, 256-265.*
5. *Marshall, S. Hills K. (1972). The taking of adult roles in middle childhood. Journal of Abnormal and Social Psychology; 73, 493-503.*
6. *Atkinson, J.W. & Feather, N.T. (1966). A Theory of Achievement Motivation. New York : Johan Wiley.*